International Journal of Information Movement Vol.5 Issue VI (October 2020)
Website: www.ijim.in ISSN: 2456-0553 (online) Pages 14-18

सूचना साक्षरता कार्यक्रमः विशेष पुस्तकालय की केस स्टडी

Ravi kant Singh
Librarian
Mata Vidhya Wati Ramavtar M. V. Damgada Kanpur Nagar

Sarita Kashyap
Asistant Librarian
Mata Vidhya Wati Ramavtar M. V. Damgada Kanpur Nagar

सारांश

इस अध्ययन का उद्देश्य रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक), दिल्ली द्वारा सूचना साक्षरता कार्यक्रम के लिए उठाए गए कदमों को समझने का है जो रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ) में विज्ञान एवं तकनीकि सूचना प्रदान कर रहा है। यह अध्ययन आगे के लिए आवश्यक प्रयासों पर भी रोशनी डालता है। यह एक गुणात्मक अध्ययन है जिसमें डेसीडॉक के विभिन्न विभागो द्वारा सूचना साक्षरता कार्यक्रमों संबन्धित गतिविधियों का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन के परिणाम स्वरूप यह जानकारी मिलती है कि विभिन्न साक्षरता कार्यक्रम विभिन्न उद्देश्य को लेकर किए गए है एवं इसके लिए अलग–अलग तरीके अपनाए गए है और इनमे से कुछ कार्यक्रम न केवल डी आर डी ओ वैज्ञानिक समुदाय के लिए लाभकारी है अपितु यह समाज के लिए भी लाभदायक है। इस अध्ययन में विशेष पुस्तकालयों के सन्दर्भ में साक्षरता कार्यक्रमों के आयोजन के व्यावहारिक प्रयोजन के अलावा यह जानना भी था कि क्या अन्य उपाय उपयोगकर्ताओं तक सूचना साक्षरता पहुँचने के लिए किए जा सकते है।

1.0 प्रस्तावना

जब से पुस्तकालयों की शुरूआत हुई है, तभी से उपयोगकर्ताओं को संसाधनों को उपयोग करने की शिक्षा दी जाती है। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है जैसा कि डॉ एस आर रंगनाथन ने ठीक ही कहा था कि किताबें उपयोग करने के लिए ही होती हैं और पाठक के समय की बचत करें। इस संदर्भ में उसरे एडुकेशन के अंतर्गत पुराने समय से ही पाठकों को पुस्तकालयों में उपलब्ध विभिन्न संग्रह के अवगत करना, पुस्तके कैसे सजाई गई है, सूचिकाएं, दिशा– निर्देश, कैसे ढूंढ़ना है, आदि की जानकारी दी जाती रही है। उस समय पर अक्सर पाठक पुस्तकालय में आकर पढ़ते थे। जिस वक्त उनका पुस्तकालय में उसरे कार्ड बनता था तभी उन्हें एडुकेशन प्रोग्राम के अंतर्गत पुस्तकालय के विभिन्न हिस्सों से, विभिन्न प्रकार के संग्रह, पुस्तकालय का कार्य समय, पुस्तकों की इशू एव वापसी के तरीके आदि से अवगत कराया जाता था।

कम्प्यूटर और विशेषतः इंटरनेट के आने के आद से सूचना की प्रस्तुति, प्राप्ति एव वितरण के तरीकों में बदलाव आया है। आज का पाठक किताबों या पत्रिकाओं को नही मांगता बल्कि उनमें बंद चुनी हुई जानकारी चाहता है, वह भी बहुत कम समय में और कम समय मेहनत के द्वारा। सूचना साक्षरता इस मांग की पूर्ति का एक माध्यम है। सूचना साक्षता उस कौशल को कहते हैं जिसकी जानकारियों की खोज, विश्लेषन एवं इस्तेमाल में जरूरत होती है। 21 वीं सदी की शुरूआत को सूचना आयु बुलाया गया है, क्योंकि इसमें सूचनाओं का उत्पादन एवं सूचना संबंधी सूत्रों का विस्फोटन जैसा हुआ है।

सूचना साक्षरता किसी व्यक्ति की क्षमता होती है। कि वह समझ सके कि कौन सी सूचना की आवश्यकता है, कैसे उस सूचना को organise किया गया है, कौन से मुख्य और अच्छे स्त्रोत है, वो कहाँ पर उपलब्ध है, उन स्त्रोतों को मूल्यांकन और उनको साझा करने की क्षमता।

2.0 सूचना साक्षरता की आवश्यकता

यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे चारों तरफ सूचनाओं का अथाह समुद्र है जो विभिन्न स्वरूपों (formats), में उपलब्ध है। न तो सारी सूचनाएं बराबरी से उत्पादित की गयी है, इनमें से कुछ विश्वसनीय, आधिकारिक, नई है लेकिन कुछ झूठी, पक्षपाती या गुमराह करने वाली है और सूचनाओं की संख्या भी निरंतर बढ़ती जा रही है। जिस प्रकार की प्रौद्यागिकी का इस्तेमाल सूचनाओं को ढूंढने, बदलने और नई सूचनाएं बनाने में हो रहा है, वो भी निरंतर बढ़ रही है।

सूचना साक्षरता का प्रयोग शैक्षिक उद्देश्यों जैसे रिसर्च पेपर लिखने एवं समूह प्रस्तुतियों (group presentation), के लिए किया जाता है। एक आम व्यक्ति के लिए भी चाहे कोई फ्रिज खरीदना हो या प्रिंटर इस तरीके का कौशल महत्वपूर्ण है और जब सूचना (विज्ञान एवं तकनीकी) इस तरह की होती है जो विशेष प्रकार के महत्वपूर्ण है और जब सूचना (विज्ञान एवं तकनीकी) इस तरह की होती है जो विशेष प्रकार के डेटाबेसेस/रेपोजीटरीज/सी डी–रॉमज़ आदि में उपलब्ध हो, प्लेटफॉर्मस अलग–अलग होते है, डाउनलोडिंग टाइप्स अलग–अलग होती है, कार्यात्मक/व्यवहारिकता विषय अलग होते है, डाउन लोडिंग टाइम्प अलग–अलग होती है कार्यात्मक/व्यवहारिकता विषय अलग होते है, ऐसे मिश्रित वातावरण में सूचना साक्षरता की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है। सूचना साक्षरता का मुख्य उद्देश्य हैः

- लोगों के ज्ञान एवं कौशल में वृद्धि करना।
- लोगों एवं संगठनों के बीच लाभकारी मिलाप स्थापित करना।
- लोगों में लाईब्रेरी की सामग्री को अधिक से अधिक प्रयोग में लाने का अवसर प्रदान करना।

3.0 सूचना साक्षरता प्रदान करने के तरीके

किसी पुस्तकालय द्वारा उपयोगकर्ता को सूचना प्रदान करने हेतु विभिन्न तरीके इस प्रकार हैः

1. व्याख्यान
2. व्याख्यान और निर्देशित दौरा
3. प्रस्तुतियां
4. पुस्तकालय ब्रोशर
5. वेब प्रकाशन
6. पुस्तकालय हैंडबुक

सूचना साक्षरता के अन्तर्गत दिये जाने वाली अक्सर निम्न बिन्दुओं का प्रयोग करती हैः

1. पुस्तकालय के विभाग एवं प्रयोक्ता सेवा (user serivces)
2. पुस्तकालय के नियम, पुस्तकालय की सामग्री का इशू एवं वापसी
3. कार्ड सूची (card cataluge)
4. ओपक खोज (अगर मौजूद है)
5. संदर्भ सामग्री/पत्रिकाओं के उपयोग के तरीके
6. इलैक्ट्रिक/मल्टीमीडिया संसाधनों का उपयोग
7. डेटाबेसेस/रेपीजीटरीज एवं इंटरनेट का उपयोग
8. सर्च तकनीकियों की जनशक्तियॉ

4.0 संचार के लिए कार्यवाही

किसी सूचना साक्षरता कार्यक्रम का संचालन करने के लिए कुछ कदम उठाए जाते है जैसे–

- उपयोगकर्ताओं को जानना एवं उनके अनुसार सूचना शिक्षण का चयन–यह जानना जरूरी है कि हमारे लक्षित उपयोगकर्ता या सूचना प्राप्तकर्ता कौन है एवं किस प्रकार का तरीका अपनाना है, अगर हम सेवा या उत्पाद को उन तक पहुंचाना है। अपने उपयोगकर्ताओं के बारे में जानकारी रखना और उन्हे किस प्रकार की सेवाओं की आवश्यकता है।
- रणीनीति–अपने लक्षियों को ध्यान में रखते हुए एवं उपयोगकर्ताओं का विश्लेषण करते हुये हमें बढ़ावें वाली (promotional) एवं वितरण नीति बनानी चाहिए।
- सेवा किसके लिए उपयुक्त–कौन सी सेवा किन उपयोगकर्ताओं के लिए है और उस सेवा के बारे में कैसे उन्हे अधिक से अधिक ज्ञान की प्राप्ति कराई जा सकती है।
- उपकरण–उन तक संचार करने के लिए विभिन्न ग्राफिक, ओडियो विज्वल, प्रिंट, कम्प्यूटर आदि का प्रयोग किया जाता है।
- कार्यक्रम के कार्यान्वयन एवं मूल्यांकन–इस कार्यक्रम से संबंधित प्रतिक्रियाओं को रेकार्ड रखने एवं उन प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन अत्यंत आवश्यक है, जिससे आगे सुधार करके कार्यक्रमों को प्रभावशाली बनाया जा सके।

5.0 डेसीडॉक : विशेष पुस्तकालय मे मामले का अध्ययन

रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र (डेसीडॉक) अनुसंधान एवं विकास प्रयोजनों के लिए देशभर में रक्षा रिसर्च और विकास संगठन (डी आर डी ओ) के मुख्यालय/प्रयोगशालाओं/प्रतिष्ठानों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समुदाय के लिए आवश्यक विज्ञान एवं प्रौद्यागिकी जानकारी प्रदान करता है। डेसीडॉक, वैज्ञानिक जानकारी, प्रलेखन, पुस्तकालय, अनुवाद और मुद्रण सेवाओं को प्रदान करने के लिए एक केंद्रीय संसाधान है और डी आर डी ओ वैज्ञानिक जानकारी कार्यक्रमों का समन्वय करता है। यह डीआरडीओ की उपलब्धियों को उजागर करने के लिए विभिन्न पत्रिकाओं, बुलेटिनों, मोनोग्राफ एवं वैज्ञानिक और तकनीकी प्रकाशनों को प्रकाशित करती है। यह डीआरडीओ के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण और उपयोगकर्ता शिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है और वैज्ञानिक/जानकारी/प्रलेखन के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास कार्य के लिए बाहर ले। अपने जनादेश के तहत यह विशिष्टि उपयोगकर्ताओं को पूरा करता है, जो एक विशेष प्रलेखन केन्द्र है।

6.0 रक्षा विज्ञान लाइब्रेरी

डेसीलॉक की रक्षा विज्ञान लाइब्रेरी (डी एस एल) रक्षा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में परियोजना के शीर्ष प्रबंधन, और शोधकर्ताओं के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर वर्तमान जानकारी प्रदान करने का केंद्र है। डी एस एल मुख्य रूप से देश भर में फैले हुए डी आर डी ओ मुख्यालय/प्रयोगशालाओं /प्रतिष्ठानों में विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे

वैज्ञानिक की जरूरतों को पूरा करता है। उपयोगकर्ताओं के लिए वर्तमान में जानकारी प्रदान करने के लिए, डीएसएल समसामयिक विषयों पर पुस्तकों के अलावा एस एंड टी पत्रिकाओं (प्रिंट फार्म), ई–पत्रिकाओं और डेटाबेस को उपलब्ध करता है।

डी एस एल रक्षा विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोधकर्ताओं की सूचना संबंधी आवश्कताओं के लिए एक विशेष पुस्तकालय है। डी एस एल के पास सूक्ष्म और स्थूल विषय, जो रक्षा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर है, समृद्ध संग्रह है। डी एस एल पारंपरिक के साथ ही आधुनिक पुस्तकालय की स्थापना के लिए एक वातावरण प्रदान करता है। डी एस एल के पास पुस्तकें, पत्रिकांए और उनके बैण्ड वॉल्यूम, तकनीकी रिपोर्ट, माइक्रोफिल्म, माइक्रोफिश, चार्ट, एटलस, स्लाइड्स, फिल्म, वीडियो टेप, ध्वनि रिकॉर्डिंग आदि उपलब्ध है।

7.0 डी एस एल सूचना साक्षरता कार्यक्रम

आई सी टी के विस्तार परिदृश्य में, इंटरनेट/इंट्रानेट, ऑनलाइन, सी डी–रोम/डी वी डी उपकरणों का यह एक आधुनिक पुस्तकालय है। डी एस एल के संग्रह विशिष्ट प्रकृति के है और विशिष्ट उपयोगकर्ता समुदाय के लिए हैं। डी एस एल ने अपने संसाधनों के प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने के लिए जानकारी साक्षरता कार्यक्रमों के लिए कई कदम उठाए है।

- डी एस एल नियमित रूप से अपनी सेवाओं, गतिविधियों, डेटा बेस और अन्य जानकारी के लिए एक एकल खिड़की प्रदान करने के लिए डी आर डी ओ इंट्रनेट पर अपनी सेवाओं का अद्यतन करता है।
- 24 × 7 आधार पर डी आर डी ओ इंट्रानेट पर एक एकल खिड़की के तहत अपनी सेवाएं प्रदान करता है।
- इंटरनेट के माध्यम से वैज्ञानिक और तकनीकी पत्रिकाओं को उपयोगकर्ताओं तक पहुंचता है।
- पुस्तक मेलों में भाग लेता है।
- सेवाओं और उत्पादों के बारे में पर्चे और ब्रोशर बनाता है और वितरित करता है।
- अपने ई–पत्रिका संघ (ई–जर्नल कॉन्सोर्शियम) के बारे में विभिन्न क्षेत्रों में जागरुकता कार्यक्रम करता है।
- प्रकाशकों के साथ समन्वय और देश भर में उपयोगकर्ता के बारे में ई–पत्रिका संघ की जागरुकता की व्यवस्था करता है।
- डेसीडोक में विकसित किए गए सॉफ्टवेयर के उपयोग के संबंध में प्रशिक्षण देता है।

8.0 ज्ञान प्रबंधन क्रियाएं

डेसीडोक द्वारा ज्ञान प्रबंधन गतिविधि के अंतर्गत ज्ञान की रचना, प्रक्रियाएं स्टोर एवं प्रसार का कार्य किया जा रहा है।

9.0 ज्ञान भंडार

डेसीडॉक तकनीकी रिपोर्ट (अवर्गीकृत/प्रतिबंधित) जो डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं (प्रतिष्ठानों) द्वारा प्रकाशित होते है उनकी प्रतियां डेसीडोक ज्ञान भंडार में उपलब्ध करता है। यह एक डी आर डी ओ तकनीकी रिपोर्ट की पहचान विकसित करने और बनाए रखने के लिए प्रस्तुति की एक निश्चित प्रारुप के साथ उचित अनुक्रमण प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एक तंत्र विकसित किया है। यह उनकी जरूरत के समय डी आर डी ओ के वैज्ञानिकों द्वारा इस्तेमाल के लिए एक ज्ञान परिसंपति के रूप में विकसित किया जा रहा है जिसमें विभिन्न डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं के सभी अवर्गीकृत/प्रतिबंधित रिपोर्टों को डिजीटल किया जा रहा है। रिपोजिटरी प्रकृति से प्रतिबंधित है। पूर्ण पाठ केवल अधिकृत उपयोगकर्ताओं को दिया जाता है। परन्तु सार का उपयोग करने के लिए सभी डी आर डी ओ इंट्रानेट उपयोगकर्ताओं को छूट है। इस प्रयोजन के लिए और इस कार्य को सक्रिय करने और काम की प्रगति की प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए डेसीडॉक सभी डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं /प्रतिष्ठानों के साथ समन्वय कर रहा है। अब तक 25000 तकनीकी रिपोर्ट डी आर डी ओ इंट्रानेट पर होस्ट की गयी है।

10.0 संस्थागत रिपोजटरी

संस्थागत रिपोजिटरी नामित 'ज्ञानश्रोत' डी आर डी ओ के अनुसंधान एवं विकास समुदाय के लिए सुलभ है, जो डी आर डी ओ के वैज्ञानिकों की बौद्धिक सामग्री का एक डिजिटल संग्रह है। रिपॉजिटरी का उद्देश्य अनुसंधान उत्पादन (बौद्धिक सामग्री) का केंद्रीकरण करना, स्टोर करना तथा संरक्षण करना, एवं वितरित करना है इसे डी आर डी ओ इंट्रानेट पर होस्ट किया गया है। इस डिजिटल संग्रह में शोध पत्र, लेख, तदर्थ प्रकाशनों, शिक्षण सामग्री, पुस्तक अध्याय, ग्रन्थसूची नमूने, जैसे सभी प्रकाशित सामग्री शामिल हैं।

11.0 ज्ञान प्रबंधन–विशिष्ट सूचना साक्षरता कार्यक्रम

- एक केन्द्रीय मंच के माध्यम से डी आर डी ओ की विभिन्न ज्ञान संपत्ति संकलन और पूरे डी आर डी ओ समुदाय के लिए उसे सुलभ बनाना
- देश भर की सभी प्रयोगशालाओं में इस खजाने को कैसे एक केन्द्रीय मंच के माध्यम से प्रस्तुत करें, इस बारे में नोडल अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

- क्षेत्रवार स्तर पर एवं प्रयोगशाला स्तर पर उपयोगकर्ता शिक्षा कार्यक्रम कि कैसे इस रिपोजिटरी का उपयोग किया जाता है।

12.0 प्रकाशन क्रियाएँ

डेसीडॉक, डी आर डी ओ के केन्द्रीय प्रकाशन एजेंसी के रूप में, बाहर की दुनिया को विभिन्न डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं/प्रतिष्ठानों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान और विकास गतिविधियों पर वर्तमान जानकारी का प्रयास करने के लिए नियमित रूप से और तदर्थ/विशेष प्रकाशनों को प्रकाशित करता है। डेसीडॉक नियमित रूप से डिफेंस साइन्स जर्नल (DSJ), डेसीडॉक जर्नल ऑफ लाईब्रेरी एवं इन्फॉर्मेशन टेक्नालॉजी (DJLIT) डी आर डी ओ मोनोग्राफ, प्रौद्योगिकी फोकस, प्रौद्योगिकी विशेष, डी आर डी ओ न्यूज़लैटर, डी आर डी ओ समाचार, डी आर डी ओ साइंस स्पेक्ट्रम, और डी आर डी ओ टेक्नालजी स्पेक्ट्रम, ज्ञानदीप आदि प्रकाशनों/पुस्तकों/डी आर डी ओ मुख्यालय और डी आर डी ओ प्रयोगशालाओं की कार्यवाही/प्रतिष्ठानों को प्रकाशित करता है।

विभिन्न प्रकाशनों का विविध स्कोप होता है और विभिन्न और विविध आबादी की सेवा के लिए होते हे। सूचना साक्षरता कार्यक्रम विशिष्ट समूह की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अलग ढंग से तैयार किए जाते है। डिफेंस साइन्स जर्नल (DSJ), डेसीडॉक जर्नल ऑफ लाईब्रेरी एवं इन्फॉर्मेशन टेक्नालॉजी (DJLIT), मुद्रित रूप से मूल्य पर उपलब्ध होते है, लेकिन पूर्ण पाठ ऑनलाइन मुफ्त प्रतिबंधित डोमेन के तहत उपलब्ध है जो तकनीकी सामग्री को प्रकाशित करते है।

13.0 प्रकाशन–विशिष्ट सूचना साक्षरता कार्यक्रम

- टेक्नालॉजी फोकस, प्रौद्यागिकी विशेष, डी0आर0डी0ओ0 न्यूज लैटर, डी आर डी ओ सामाचार को बिना मूल्य के प्रिंट प्रारूप में प्रकाशित और वितरित करते है। निःशुल्क सॉफ्ट कॉपी दुनिया भर में व्यापक दर्शकों के लिए इंटरनेट पर उपलब्ध कराई जाती है। इसकी हर नयी प्रकाशित प्रति की जानकारी इंट्रानेट एवं इंटरनेट पर उपलब्ध कराई जाती है।
- इन प्रकाशनों को सम्मेलनों (अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय), सेमिनारों, प्रदर्शनियों, और पुस्तक मेलों के दौरान वितरित किया जाता है। इसकी सूचना भी ब्रोशरों एवं इंट्रानेट एवं इंटरनेट पर उपलब्ध कराई जाती है।
- ऐसी प्रौद्योगिकी विशेष (हिन्दी), और डी आर डी ओ समाचार (हिंदी), के रूप में प्रकाशन हिंदी में प्रकाशित कर रहे है और यह भी भारतीय सैनिकों के लिए प्रत्येक जर्नल एवं पत्रिका के लिए ब्रोशर तैयार किए जाते है और वितरित किए जाते है।
- विवरणिका (विभिन्न प्रकाशकों के रूप में) विशिष्ट दर्शकों के लिए बनाई गई है।
- प्रकाशनों की कैटलॉग सम्मेलनों में वितरित कर रहे है।
- डेसीडोक के जर्नलों के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए कई पत्रिका, प्रकाशित कर रही Open-गेट, इंडियन साइन्स एब्सट्रैक्ट, भारतीय प्रशस्ति पत्र सूचकांक, ऑनलाइन, वर्ल्डकैट, ProQuest, और ओ सी एल सी पत्रिकाएं।
- डेसीडॉक के जर्नलो के बारे में कई अध्ययन भी विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित किए जाते है।
- पत्रिकाओं के बारे में सूचना सूचनाओं के माध्यम से उपलब्ध कराया जाता है, जैसे आर एस एस फीड पेशवर मंच, पेशेवर समूहों आदि।

14.0 विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम

डेसीडॉक अपने ज्ञान और काम करने के कौशल को अद्यतन करने के लिए डीआरडीओ प्रयोगशालाओं/प्रतिष्ठानों के कर्मियों के लिए आई टी, संचार, तकनीकी लेखन और पुस्तकालय विज्ञान के क्षेत्र में उपयोगकर्ता–शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करता है। यह सी एस आई आर, आई सी एम आर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और प्रशिक्षण देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, अन्य विभागों/संगठनों से वैज्ञानिक और प्रबंधकों के लिए आमंत्रित किया है। डेसीडॉक अल्पकालिक, दीर्घकालिक और विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। ये सूचना साक्षरता कार्यक्रम न केवल अंग्रेजी भाषा में आयेाजित किए जाते है, अपितु उनमें से कई सरकारी भाषा (हिन्दी) में आयोजित किए जाते है। प्रशिक्षण से संबंधित सूचना साक्षरता कार्यक्रम भिन्न है :

- विभिन्न सतत् शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) पाठ्यक्रमों में अपने संसाधनों के बारे में ज्ञान (प्रिंट और ऑनलाइन) प्रदान करता है।
- अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने श्रोतों और सेवाओं के बारे में ज्ञान प्रदान करता है।
- समय–समय पर विभिन्न विषयों पर आयोजित व्याख्यानों में डेसीडोक द्वारा दी जा रही सेवाओं को बताया जाता है।
- अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम/कार्यशालाओं/सम्मेलनों, आदि में डेसीडॉक अधिकारियों/कर्मचारियों को नियुक्त कर गतिविधियों की जानकारी देना एवं प्रोत्साहन।

15.0 विशेष सूचना साक्षरता कार्यक्रम

- डेसीडॉक ज्ञान प्रदान करने के लिए (समान प्रकृति के) अन्य संस्थाओं के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है।
- आईटी के क्षेत्रों में विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं में प्रशिक्षण आयोजित करता है, संचार, तकनीकी प्रस्तुति, तकनीकी लेखन, एलआईएस गतिविधियों, ई–प्रकाशन, वेब डिजाइनिंग, डेटाबेस विकास, डिजिटल पुस्तकालयों, और करने के लिए डीआरडीओ में काम कर रहे कर्मियों की आईटी के अन्य प्रासंगिक पहलुओं अपने ज्ञान और काम करने के कौशल को अद्यतन लंबे समय तक सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- जूनियर रिर्सच फैलों एक वर्ष की अवधि के लिए, जो दो साल के लिए बढ़ाई जा सकती है पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान/कम्प्यूटर विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के तहत नियुक्त कर रहे है।
- ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण/औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न कॉलजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों को आईटी और आदि अन्य जानकारी प्रसंस्करण और प्रसार गतिविधियों, सॉफ्टवेयर विकास, पुस्तकालय गतिविधियों में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है।

16.0 इसके अतिरिक्त प्रयास के क्षेत्र

- प्रश्नावली के माध्यम से सेवाओं के प्रभावी वितरण के लिए उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं का विश्लेषण।
- वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए या अपडेट की सुविधा के लिए योजनाएं बनाना।
- परिणाम आधारित मूल्यांकन लगातार किया जाना, ताकि विभिन्न उपयोगकर्ता समूहों पर जागरुकता कार्यक्रम का प्रभाव और सेवा को मापा जा सके।
- प्रतिक्रिया तंत्र लंबी अवधि के कार्यक्रमों के प्रशिक्षुओं से आगे प्रशिक्षण पर सुधार करने के लिए आवश्यक प्रयासों को जानना।
- उत्पादों एवं सेवाओं की अधिक जानकारी प्रकाशित करने की आवश्यकता है।
- संपर्क और सहयोग समाज के लिए फायदेमंद होते है जो अधिक डिलिवरेबल्स बनाने के लिए जरूरी होते है, इसके लिए और अधिक शैक्षिक और वैज्ञानिक संगठनों के साथ मिलजुलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

17.0 निष्कर्ष

किसी पुस्तकालय के को लोगों के आजीवन सीखने का मार्ग बनाने के लिए बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। इस बात पर ध्यान देने की अत्यंत आवश्यकता है कि पाठक के समय की बचत और पुस्तकालय की सामग्री का अधिक से अधिक उपयोग करे जिससे वो लागत–प्रभावी (cost effective) रहें एवं उपयोगी रहें। इसके लिए उपयोगकर्ता जागरुकता (user awareness) अत्यंत आवश्यक है, जो चाहे प्रिंट माध्यम से हो या डिजिटल माध्यम से, हमें जागरुकता देनी ही होगी। ना केवल यह कि हमें पाठकों सूचना जागरुकता हेतु साक्षर बनाना है अपितु फीडबैक भी जरुरी है, जिससे सूचना जागरुकता हेतु साक्षरता कार्यक्रमों की कमियों को जाना जा सके अपितु, उनमें सुधार किया जा सके और उन्नत तरीके से आगे के कार्यक्रम किए जा सकें। डेसीडोक न केवल डी आर डी ओ के वैज्ञानिकों एवं कर्मियों के लिए सूचना विज्ञान संबंधी सेवा का कार्य कर रहा हे। अपितु अपनी trainings द्वारा विभिन्न पुस्तकालय विज्ञान संबंधी प्रशिक्षण (trainings) जैसे apprenticeship द्वारा, लघु समय पाठ्यक्रम (short-terms) आदि द्वारा अन्य पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के छात्रों तक भी पहुंच रहा है।

18.0 संदर्भ

1. www.ala.org/acrl/issues/infolit/overview/intro
2. http://www.webpages.uidaho.edu/info_literacy/
3. DESIDOC activities brochure, 2014.